Topic – Inflorescence

Plant के floral axis अथवा peduncle पर flower के development एवं arrangement के क्रम को inflorescence कहते है।

Types of inflorescence

1) Racemose inflorescence
2) Cymose inflorescence
3) special type of inflorescence

(1) Racemose inflorescence :—

इस प्रकार के inflorescence में flowering axis के tip पर कोई flower नही निकलता है यह निरन्तर बढता रहता है उस पर flower निकलते रहते है। इस inflorescence में पुष्प पुष्पीय अक्ष पर अग्राभिसारी क्रम में लगे होते है।

यह पुष्पक्रम तीन प्रकार का होता है—

A जब पुष्पीय अक्ष अथवा मुख्य अक्ष लम्बा होता है —

(1) प्ररूपिक असीमाक्ष (Typical Racime) :—

Scanned with CamScanner

इसमे पुष्पीप अक्ष लम्बा होता है तथा इस पर वृन्तीय पुष्प अग्राभिसारी क्रम मे उत्पन्न होते है।
जैसे — सरसो

(II) स्पाइक (Spike) :— इसमे पुष्प अवृन्त होते है।
जैसे — Achyranthus (लटजीरा)

(III) Spikelet (कणिशिका) :— इसमे संयुक्त पुष्पक्रम कि इकाई होती है जिसमे एक या अधिक पुष्पो तथा उसके सहपत्र bracts पाए जाते है।

(IV) Catkin :— यह काष्ठीय पौधो मे मिलने वाला unisexual flower का नीचे की ओर लटका स्पाइक है।
जैसे :— शहतूत

(V) Spadix :— एक एक मोटे एवं मांसल अक्ष वाला स्पाइक ही है जो एक रंगीन सहपत्र से ढका रहता है जिसे spathe कहते है।
जैसे — केला, अरबी

B जब पुष्पीप अक्ष छोटा होता है —

(VI) corymb (समशिख) :— इसका पुष्पीप अक्ष छोटा

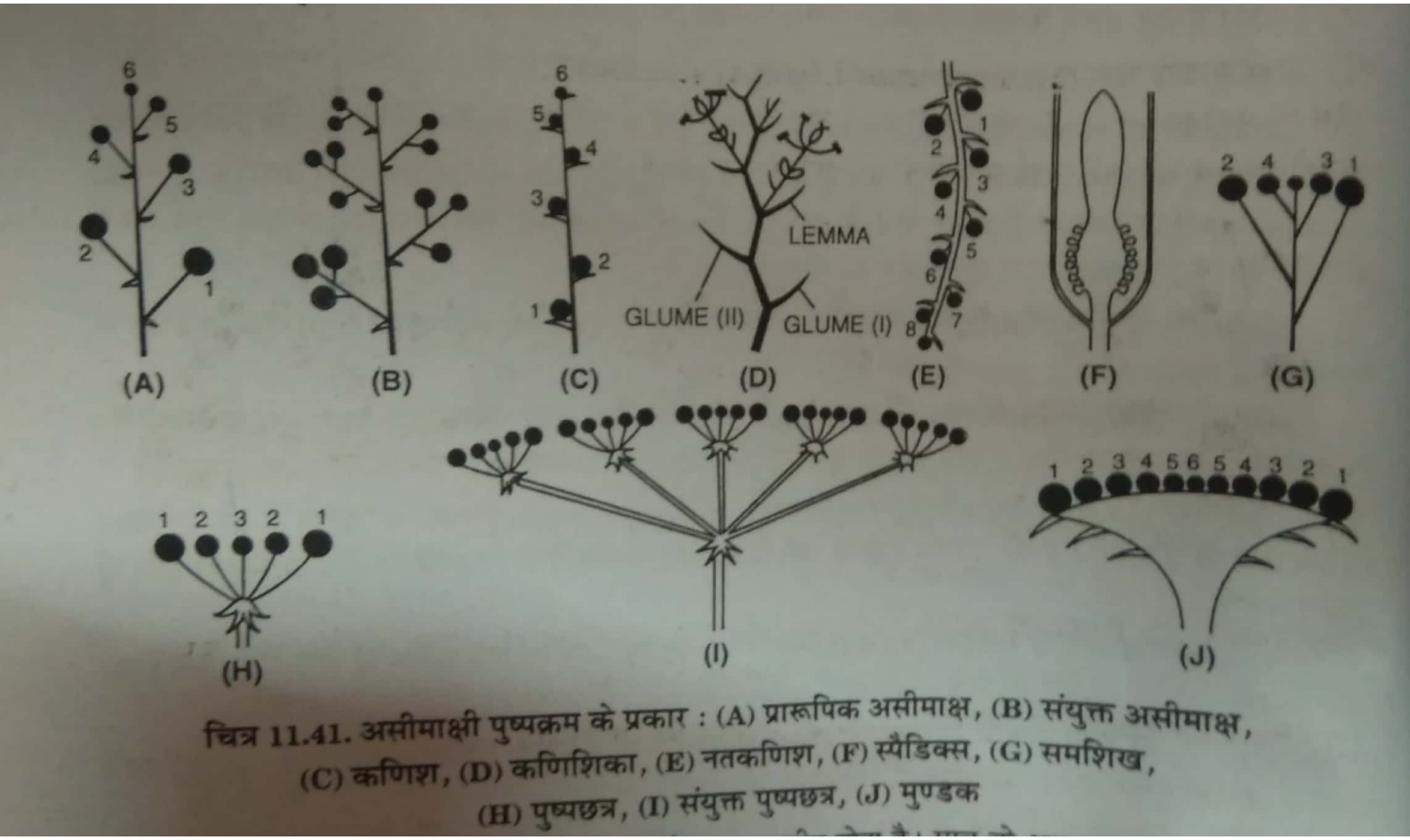

चित्र 11.41. असीमाक्षी पुष्पक्रम के प्रकार : (A) प्रारूपिक असीमाक्ष, (B) संयुक्त असीमाक्ष, (C) कणिश, (D) कणिशिका, (E) नतकणिश, (F) स्पैडिक्स, (G) समशिख, (H) पुष्पछत्र, (I) संयुक्त पुष्पछत्र, (J) मुण्डक

Scanned with CamScanner

होता है इसमे नीचे वाले पुष्पो के वृन्त लम्बे तथा ऊपर वाले flower के वृन्त छोटे होते है जिसमे सभी पुष्प लगभग समान दिखाई देते है।

जैसे — कैंडीटफ्ट

(VII) Umbel पुष्पछत्र :— इसमे पुष्पो के वृन्त एक ही स्थान से अग्राभिसारी क्रम में विकसित होते है, तथा लगभग समान लम्बाई के होते है, लम्बा पुष्पो के निकलने के स्थान पर सहपत्रो का एक चक्र होता है जिसे परिचक्र कहते है।

जैसे — ब्राह्मी

(C) जब पुष्पीय अक्ष अत्यन्त छोटा तथा चपटा होता है

(VII) मुण्डक :— इसके पुष्पीय अक्ष को पात्र receptical कहते है, इस पर बहुत से अवृन्त पुष्प लगे रहते है इन पुष्पो को पुष्पक कहते है। बहुत सारे पुष्पक मिलकर पुष्पक्रम बनाते है।

Scanned with CamScanner

2 Cymose inflorescence

इस प्रकार के पुष्पक्रम में पुष्पीय अक्ष की वृद्धि उसके शीर्ष पर पुष्प के बनने से रुक जाती है तथा पार्श्वीय अक्षों का भी अन्त पुष्पों मे हो जाता है अतः उनकी वृद्धि सीमित हो जाती है।

यह पुष्पक्रम तीन प्रकार का होता है—

(A) एकशाखी unifarous :— इस प्रकार के पुष्पक्रम में पुष्पीय अक्ष के सिरे पर अन्तस्थ कलिका से एक पुष्प बन जाता है। पुष्प के नीचे से एक पार्श्व अक्ष निकलता है जिसका शीर्ष भाग भी एक पुष्प में समाप्त हो जाता है।

(B)

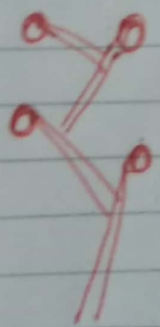

(B) द्विशाखी :— इस प्रकार के पुष्पक्रम में मुख्य पुष्पीय अक्ष का शीर्ष भाग एक पुष्प में समाप्त हो जाता है तथा इसके नीचे पार्श्व में दो शाखाएँ निकलती है जिसके सिरो पर भी पुष्प बन जाता है।

जैसे पिट्टनिया

Scanned with CamScanner

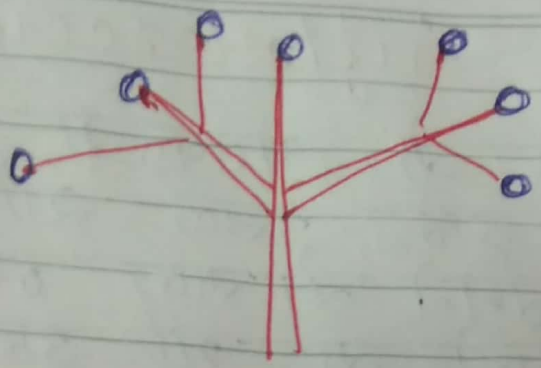

) बहुशाखी = इस प्रकार के पुष्पक्रम में मुख्य पुष्पीय अक्ष के शीर्ष पर पुष्प उत्पन्न होने के पश्चात् नीचे की ओर पार्श्व में दो से अधिक शाखाएं उत्पन्न होती है जिसके सिरे पर पुष्प बन जाते है।

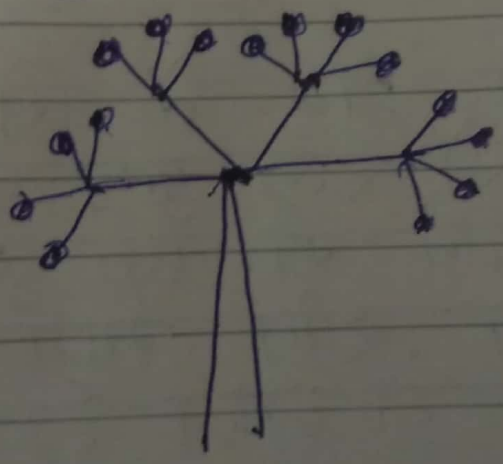

Scanned with CamScanner